

सफर की दुआ

Deen Ki Roshni — Free PDF

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

02- Safar Ki Dua 🚗

اللَّهُ أَكْبَرُ، اللَّهُ أَكْبَرُ، اللَّهُ أَكْبَرُ، سُبْحَانَ الَّذِي سَخَّرَ لَنَا هَذَا وَمَا كُنَّا لَهُ مُقْرِنِينَ، وَإِنَّا إِلَى رَبِّنَا لَمُنْقَلِبُونَ. اللَّهُمَّ إِنَّا نَسْأَلُكَ فِي سَفَرِنَا هَذَا الْبِرَّ وَالتَّقْوَى، وَمِنَ الْعَمَلِ مَا تَرْضَى، اللَّهُمَّ هَوِّنْ عَلَيْنَا سَفَرَنَا هَذَا وَاطْوِ عَنَّا بُعْدَهُ، اللَّهُمَّ أَنْتَ الصَّاحِبُ فِي السَّفَرِ، وَالْخَلِيفَةُ فِي الْأَهْلِ، اللَّهُمَّ إِنِّي أَعُوذُ بِكَ مِنْ وَعَثَاءِ السَّفَرِ، وَكَآبَةِ الْمَنْظَرِ، وَسُوءِ الْمُنْقَلَبِ فِي الْمَالِ وَالْأَهْلِ

Hindi Translation / उच्चारण:

अल्लाहु अकबर, अल्लाहु अकबर, अल्लाहु अकबर। सुब्हानल्लज़ी सख़्ख-र लना हाज़ा व मा कुन्ना लहु मुक्फ़िनीन, व इन्ना इला रब्बिना ल-मुंक्लिबून। अल्लाहुम्मा इन्ना नस-अलुका फ़ी सफरिना हाज़ल-बिर् वत्-तक्रवा, व मिनल-अमलि मा तर्ज़ा। अल्लाहुम्मा हव् विन अलैना सफरिना हाज़ा वत्-वि अन्ना बुअदहू। अल्लाहुम्मा अन्तस्-साहिबु फ़िस-सफ़रि, वल-खलीफतु फ़िल-अह्ल। अल्लाहुम्मा इन्नी अऊजू बिका मिन वअस्ना-इस-सफ़रि, व काआबतल-मन्ज़र, व सूइल-मुंक्लबी फ़िल-मालि वल-अह्ल।

तर्जुमा (Meaning):

अल्लाह सबसे बड़ा है, अल्लाह सबसे बड़ा है, अल्लाह सबसे बड़ा है। पाक़ है वह ज़ात जिसने इस (सवारी) को हमारे क़ाबू में कर दिया, हालाँकि हम इसे क़ाबू में करने वाले नहीं थे। और बेशक हमें हमारे रब की तरफ़ लौटकर जाना है। ऐ अल्लाह! हम तुझसे अपने इस सफर में नेकी, परहेज़गारी और ऐसे अमल का सवाल करते हैं जिसे तू पसंद करे। ऐ अल्लाह! हमारे इस सफर को आसान कर दे और इसकी दूरी को हम पर सिमत कर कम कर दे। ऐ अल्लाह! तू ही सफर में साथी और पीछे छूटने वाले बाल-बच्चों (परिवार) का निगराँ है। ऐ अल्लाह! मैं सफर की मशक्कत, बुरी और गमगीन जगहों को देखने से और माल व अहलू-عیال में किसी बुरे हाल में लौटने से तेरी पनाह माँगता हूँ।

➡  इस बेहतरीन इस्लामिक पीडीएफ (Deen Ki Roshni) को अपने दोस्तों और परिवार के साथ ज़रूर शेयर करें!